

University in News on 01 August 2025



AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षांत समारोह 10 सितंबर को

प्रतिष्ठित चांसलर्स समेत पांच मेडल के आवेदन की अंतिम तारीख 20 अगस्त

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ विश्वविद्यालय का 68वां दीक्षांत समारोह 10 सितंबर को होगा समारोह में चांसलर मेडल सहित पांच श्रेणियों में मेधावियों को अलंकृत किया जाएगा। इन श्रेणियों के लिए बृहस्पतिवार को आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 20 अगस्त है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने दीक्षांत समारोह को लेकर होने वाली तैयारियों को तेज कर दिया है। दीक्षांत समारोह की तारीख को लेकर लंबे समय से ऊहापोह व असमंजस की स्थिति बनी हुई थी।

प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट कर दी। पदकों और पुरस्कारों के लिए सूची दीक्षांत समारोह 10 सितंबर को मांगी गई है। सूची मिलने के बाद परिसर में आयोजित किया जाएगा। स्क्रीनिंग कमेटी दावेदारों की जांच इतना ही नहीं समारोह में चांसलर करेगी। साथ ही आवेदकों का मेडल सहित पांच प्रमुख श्रेणियों में साक्षात्कार भी होगा।



मेधावियों को सम्मानित किया जाता है। इन श्रेणियों के लिए आवेदन मांगे गए हैं।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बहस्पतिवार को बताया कि पांच श्रेणियों में चांसलर मेडल. चक्रवर्ती मेडल, वीसी मेडल, काली प्रसाद मेडल और रुचिराम

इनके लिए विवि के सभी संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों को बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय पत्र भी भेज दिए गए हैं। प्रमुख

इसलिए खास हैं चांसलर मेडल

चांसलर मेडल विश्वविद्यालय का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है। परीक्षा नियंत्रक बताते हैं कि चांसलर्स मेंडल के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय एवं उससे संबद्ध सभी कॉलेजों से आवेदन मांगे जाते हैं। यह समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ मेधावी को प्रदान किया जाता है। इस श्रेणी में प्रतिवर्ष सर्वाधिक आवेदन आते हैं।

इन श्रेणियों में दिए जाते हैं पुरस्कार

- **रुचिराम साहनी पुरस्कारः** यह पुरस्कार वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान
- काली प्रसाद मेडलः यह पुरस्कार मेधावियों को मनोविज्ञान के क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन के लिए
- वाइस चांसलर्स मेडल: यह पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेट को प्रदान किया जाता है।
- चक्रवर्ती मेडल: अधिकारियों ने बताया कि यह मेडल लखनऊ विश्वविद्यालय के उस छात्र-छात्रा को अध्ययन के दौरान अच्छे व्यवहार के लिए प्रदान किया जाता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय

अगस्त में छात्रावास आवंटन शुरू होने से पहले ये तैयारियां राहतभरी साबित होंगी

कहीं चल रही मरम्मत, कहीं स्वागत के लिए तैयार छात्रावास

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावासों में नए सत्र के छात्रों के स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं। प्रशासन जहां एक ओर सफाई और मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कर रहा है, वहीं छात्र भी आश्वस्त नजर आ रहे हैं। विदेशी छात्रावासों में भी व्यवस्थाएं अपडेट की जा रही हैं। अगस्त में छात्रावास आवंटन शुरू होने से पहले यह तैयारियां छात्रों के लिए राहत भरी साबित होंगी। (संवाद)

समयः दोपहर 1:10 बजे

लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास में प्रवेश से पहले तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पेयजल के लिए नया आरओ सिस्टम लगाया गया है। किचन की मरम्मत पूरी हो चुकी है और



पूरे परिसर की सफाई करवाई गई है। कर्मचारियों ने बताया, छात्रों का आगमन अगस्त से होगा, लेकिन पहले ही आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त कर चुके हैं।

समयः दोपहर 1:40 बजे. स्थानः आचार्य नरेंद्र देव अंतरराष्ट्रीय छात्रावास



। विदेशा छात्र पहल से रह रहे हैं, लिहाजा व्यवर परिसर के बाहर साफ-सफाई करवाई जा रही है। फर्श की मरम्मत का काम पूरा हो चुका है। अधूरे निर्माण कार्य पूरे किए जा रहे हैं। कर्मचारियों ने वताया कि छात्रावास में फर्श उखड़ गई थी जिसे अब दुरुस्त कर लिया गया है। यहां साउथ अफ्रीका के रहने वाले छात्र चिवमैमे, ओरबाज, म्यामार के रहने वाले छात्र केशारा, सूडान के निवासी उमर, अफ्रीका के रहने वाले छात्र जस्टिन ने बताया कि हॉस्टल में सभी सुविधाएं हैं। बता दें कि यहां छात्र अपना खाना स्वयं बनाते हैं। छात्रों ने कहा कि समस्या का समाधान समय पर होता है।

लविविः पहली आवंटन सूची जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक प्रवेश परीक्षा सत्र-2025-26 की काउंसिलिंग के क्रम में एमए और एमएससी एंथ्रोपोलॉजी की सीटों के लिए, पाठ्यक्रम के मेरिट के अनुसार पहली आवंटन सूची बृहस्पतिवार को जारी कर दी गई है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि सूची देखकर विद्यार्थी तीन अगस्त तक फीस जरूर जमा कर दें। (माई सिटी रिपोर्टर)

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : चांसलर, चक्रवती सहित प्रमुख पदक के लिए आवेदन २० तक

संवाददाता • लखनऊ : विश्वविद्यालय में 10 सितंबर को 68वां दीक्षा समारोह प्रस्तावित है। इसको लेकर गुरुवार को सभी प्रमुख पदक और पुरस्कार के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इसमें चक्रवर्ती, चांसलर और वाइस चांसलर, रुचि राम साहनी रिसर्च प्राइज इन बाटनी और प्रोफेसर काली प्रसाद मेमोरियल रिसर्च प्राइज शामिल है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्षों को जारी सूचना के अनुसार 20 अगस्त तक आवेदन का समय दिया गया है।

राजभवन की ओर से दीक्षा समारोह की तिथि दिए जाने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए आवेदन मांगे गए हैं। चांसलर पदक एकेडमिक रिकार्ड आदि के अनुसार दिया जाता है। डा. चक्रवर्ती गोल्ड मेडल हर साल अच्छे व्यवहार और सामाजिक जीवन में सहयोग करने वाले विद्यार्थी को मिलता है।

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू में मानवशास्त्र की मेरिट सूची जारी

लखनऊ।लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया के तहत एमए-एमएससी मानवशास्त्र पाठ्यक्रम का पहला सीट आवंटन और मेरिट सूची गुरुवार को जारी कर दी गई है। जिसे अभ्यर्थी अपने लॉगिन आईडी के जरिए देख सकते हैं। इस संबंध में प्रवेश समन्वयक की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव का कहना है कि प्रथम सीट आवंटन मेरिट के अनुसार घोषित कर दिया गया है। जिसे अभ्यर्थी 31 जुलाई की शाम पांच बजे के बाद अपने लॉगिन की मदद से देख सकेंगे।

एलयू में 10 सितंबर को दीक्षांत समारोह

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 68वें दीक्षांत समारोह के लिए प्रस्तावित तिथि फिलहाल तय हो गई है। जिसके मद्देनजर विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रमुख पदकों और पुरस्कारों के लिए संभावितों की सूची भी मांग ली गई है। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक की ओर से सभी संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों को पत्र भी भेज दिया है।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि दीक्षांत समारोह 10 सितम्बर को प्रस्तावित है। दीक्षांत में तीन प्रमुख पदकों के नाम चक्रवर्ती, चांसलर और वाइस चांसलर हैं।

i-NEXT PAGE 4

अब एलयू के स्टूडेंट्स पढ़ेंगे गिरमिटियालॉजी

औपनिवेशिक काल में विदेश गए भारतीय मजदरो के बारे में जानेंगे स्टूडेंट्स

LUCKNOW(31 July): लखनऊ प्रो. उपाध्याय के मुताबिक, यूनिवर्सिटी के इंग्लिश डिपार्टमेंट गिरमिटियालॉजी एक इंटरडिसप्लिनरी स्टूडेंट्स के लिए नए कोर्स कोर्सहोगा, जिसे यूनिवर्सिटी के किसी गिरमिटियालॉजी की शुरुआत करने की भी डिपार्टमेंट का स्टूडेंट पढ़ सकेगा. तैयारी है. डिपार्टमेंट के हेड प्रो. ऑकार जो कि 3 महीने का होगा. इस कोर्स नाथ उपाध्याय ने बताया कि ये एक का कंटेंट ऑनलाइन मुक्स पर भी ग्लोबल कोर्स होगा. जिसे यूजीसी के अवेलेबल होगा. प्रो. उपाध्याय का स्वयं पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा. कहना है कि इस कोर्स की शुरूआत इस कोर्स में ब्रिटिश औपनिवेशिक का मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा कालखंड में फिजी, मॉरीशस, अफ्रीका को बढ़ावा देना और भारतीय शिक्षा

की वैश्विक दृष्टि के बारे में पता चलेगा. डंटरडिसप्लिनरी है कोर्स

के बारे में पहाया जाएगा. प्रो. उपाध्याय

के मृताबिक, कोर्स से स्टूडेंट्स को भारत

जैसे देशों में मजदर के रूप में गए पद्धति को बद्धवा देना है.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

रामचरित मानस भारतीय ज्ञान परंपरा की विलक्षण कृति : प्रो. टंडन

विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के अवसर पर विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. प्रत्येक राज्य और विश्व के हर देश में हुआ है। अनुवाद के क्षेत्र वक्ता के रूप में प्रो. पूरनचंद टंडन (पूर्व आचार्य दिल्ली विलक्षण अनुकृति है। विभागाच्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल ने रूप में प्रो. अनिल शुक्ल (पूर्व कुलपित महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालव, राजस्थान एवं ज्योतिवा विषय का प्रवर्तन करते हुए कहा कि तुलसीदास ने मुगल

कुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय,बरेली) उपस्थित थे। हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज एवं राष्ट्रभाषा प्रचार सभा पर प्रकाश डाल। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के शिक्षक प्रो. वाईपी वर्षा) ने की। इस दौरान मुख्य अतिथि प्रो.अनिल शुक्ल ने सिंह, प्रो. रीता चौघरी, प्रो. सरज बहादर थापा, प्रो. श्रति, डा. तुलसी कृत रामचरितमानस के महत्व को बताते हुए कहा कि रविकांत, डा. राहुल पांडेय, डा. सेन्थिल कुमार, डा. अनुपर जो पावन है. उसे व्यक्त किया है। उन्होंने मानस के माध्यम से 🧼 सीमा यादव एवं प्रो. सत्यदेव मिश्र की पत्नी हा. अल्पना मिश्र एवं

विषय 'तुलसी कृत रामचरितमानस के अनुवाद' था। इसमें मुख्य विश्व के किसी ग्रंथ को नहीं। यह ग्रंथ भारतीय ज्ञान परम्परा की

साम्राज्य में समन्वय स्थापित करने का कार्य किया है। प्रो कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित (सभापति- सत्यदेव मिश्र के पुत्र कल्प मिश्र ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व मानस शब्दों का कसरत नहीं है बल्कि जन-जन के लिए पटेल, डा. आकांक्षा, डा. सुघा, डा. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह और डा. मोहन नहीं, बल्कि चिन्तन व्यक्त किया है। कार्यक्रम में उनके परिजनों के साथ विभागीय शोध छात्र भी उपस्थित रहे।

TOI PAGE 2, 4

LU former prof Abha Avasthi passes away

Lucknow: Renowned acadenic and former head of Lucknow University's (LU) sociology department, Prof Abha Avasthi (85), passed away after a prolonged illness on Thursday. Prof Avasthi was on a ventila tor at KGMU for the last two weeks. She is survived by her brother and his family.

Academics, students, researchers and teachers from across the country paid tributes to the professor who served as an Emeritus Professor (UGC) and a council member PhDs. Former deputy CM Di-

asthi Ji was like an elder sister. Chandra, joined the depart for me. May her soul rest in pethis loss. Om Shanti Om!" LU sociology present and former a great academician cum ad teachers attended her last ri-

tes at Baikunthdham. "The passing away of Prof Abha Awasthi is virtually the at LU. Prof DR Sahu, said: end of an era for the Lucknow Prof Avasthi was not just an School of sociology She reviewcellent academician of in ved the idea of the Lucknow ternational repute but also a

Premchand changed **AMRIT VICHAR PAGE 6** way literature was consumed: Expert

of the Indian Council of Social

Science Research. She was al-

so a member of the subject pa-

nel (sociology) of UGC for two

terms and a member of the ex-

ecutive council of CSJM Kan-

pur University. She authored

several books and supervised



ucknow: Department of Hindi at Lucknow

re by bringing struggles of the working class to the forefront. His stories gave voice to those who to the narrative of modern India," said, Vanda-na Chaubey, guest speaker from Varanasi.
"A time when popular fiction was dominated by fantasy and thrill, Premchand rooted litera-tive in seciol walltr. I de made a does a new ture in social reality and made readers engag with truths of Indian society, transforming th

said Siddharth Shankar, guest speaker from



HT PAGE 3

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

में सीधे करती है हस्तक्षेप : प्रो. मनुका खन्ना

तथा कथा समाट प्रेमचंद की विरासत' पर परिसंवाद



का समय, समाज तथा कथा सम्राट प्रेमचंद की विरासत' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में मख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपित प्रो. मनुका खन्ना ने कही। प्रो.खन्ना ने कहा कि प्रेमचंद ने निर्मला उपन्यास और मंत्र आदि कहानियों के माध्यम से जन समुदाय को प्रेरित किया। उद्घाटन से पूर्व कुलपति ने साहित्य वाटिका स्थित प्रेमचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम की संयोजक प्रो. रीता चौधरी ने प्रेमचंद के साहित्य के मूल उद्देश्यों पर अपनी बात रखते हुए स्त्री, दलित और किसान की मुक्ति पर प्रेमचंद के साहित्य पर बहुआयामी बात रखी। वाराणसी से आर्यी प्रो. वंदना चौबे ने बताया कि प्रेमचंद ने अपने साहित्य के माध्यम से साहित्य के लेखन को नयी दिशा दी और समाज के निम्न वर्गीय सुजक समाज को नायकों के रूप में स्थापित किया।

जनता की भाषा है प्रेम्चंद की भाषा, समाज Now an LU 'OPD', astro consultation service on offer of traditional astrological prac-



Started by the Jyotirvigyan department last week, the OPD is supervised by varsity faculty members.

Godhooli Sharma

godhooli.sharma@htlive.com

LUCKNOW: Even as Lucknow University is abuzz with students coming to secure admissions in the new session, a unique 'OPD' on the campus offering free Jyotirvigyan department. astrology consultation service is drawing people's attention.

Started by the Jyotirvigyan department last week, the OPD supervised by university faculty members is currently only for faculty members, staff and students at LU, providing consulta- Vipin Kumar Pandey, Anuj tions on horoscopes, based on Kumar Shukla and Praveen questions, palmistry and Vaastu Kumar Bajpai, along with Shastra, within the framework Tiwari.

"It has recorded over 21 people in the last three days. These and life after that while others a gular tree. "As per our calcula

numbers are growing with each passing day," shared Shyamlesh Kumar Tiwari, co-ordinator,

From faculty members coming to know when they will get promoted and life after retirement, a variety of questions are being asked from a panel of experts comprising Anil Kumar Porwal, Vishnukant Shukla,

A few youths and parents of young adults also turned up with up to ask about his promotion questions related to marriage and future was advised to water inquired about health issues. nary tract infection (UTI) due to

One of the varsity staff, who wanted to know about age related ailments, was advised to keep a track on nutrition, sleep and asked to meditate. "We also suggested that he visits Navgrah Vatika and perform parikrama of trees related to the grahas (planets), which are creating problems in his life. We asked him to regularly water plants. add manure and also talk to

help him reduce the effect of problems coming his way," said Anuj Kumar Shukla. Tiwari shared that the pane has proposed a fee of Rs 700 for

tions, the person is prone to uri

the position of Venus. The rem

each 15-minute session. "Onc finance committee, we will open doors of the OPD for common them for a few days, treating the ers. They will be required to get plants like friends," said Tiwari. an appointment first," he added.